अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2020) दिनांक : 17.12.2020

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

महात्मा महाप्रज्ञ–50

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 13

(क) शिशु नथमल को नथ क्यों पहनायी गई?

(ख) महाप्रज्ञ जी की बहिन मालूजी के साथ कितने मुमुक्षु भाई-बहनों ने दीक्षा ली?

(ग) माता बालूजी और नथमल की दीक्षा की प्रार्थना अभिभावक बन कर किसने की?

(घ) मुनि नथमल जी को मुनि तुलसी के पास जब लाडनूं भेज रहे थे तो उन्हें किसने कहा कि 'फिर आपको पूज्य प्रवर न्यारा में भेज देंगे'?

(ङ) मुनि नथमल जी का दूसरा केशलुंचन किसने किया?

(च) मुनि नथमल जी के आंखों के दाने कहां और किसकी दवा से ठीक हुए?

(छ) श्री महाप्रज्ञ जी ने 'पार्श्वनाथ स्तोत्र' की प्रतिलिपि कब और कहां लिखी?

(ज) पूज्य कालूगणी छोटे साधुओं को सनाय का जुलाब कब देते थे?

(झ) आप आचार्य तुलसी के नियन्त्रण में रहकर क्या कोई कठिनाई महसूस नहीं करते? डॉ. राम मनोहर लोहिया के इस प्रश्न का महाप्रज्ञ जी ने क्या उत्तर दिया?

(ञ) 'उन्नीसवीं सदी का नया आविष्कार' यह पुस्तिका कब और कहां लिखी?

(ट) महाप्रज्ञ जी के व्यवहार में परिष्कार किस पुस्तक को पढ़ने से हुआ?

(ठ) 'यह संघ संस्कृत का घर है' यह वाक्य किसने और कहां कहा?

(ड) सन 1955 में आचार्य तुलसी व महाप्रज्ञ जी कितने दिन पुणे में रहे तथा वहां कितने कार्यक्रम हुए?

(ढ) महाप्रज्ञ जी को चावल व चने की वस्तु खाने का निषेध किसने व कब किया था?

(ण) आचार्य महाप्रज्ञ ने आचार के तीन मूल आधार कौन से बताये?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में लिखें– 10

(क) दिल्ली के पृथक चातुर्मास के दौरान महाप्रज्ञ जी को आचार्य तुलसी ने कितने व कौन-कौन से काम प्रमुखतः करने को लिखा?

(ख) जैन एकता हेतु भगवान महावीर की पच्चीसवीं निर्वाण शताब्दी पर किस-किस सम्प्रदाय के कौन से सन्तों ने चिन्तन-मन्थन किया?

(ग) श्री महाप्रज्ञ जी ने संघ के साधु-साध्वियों को कौन से ग्रन्थों का अध्यापन करवाया? उनमें से पांच के नाम लिखें।

(घ) आचार्य पदाभिषेक के समय आचार्य तुलसी ने श्री महाप्रज्ञ को कौन से संकल्प ग्रहण करवाये?

(ङ) उस समय संघ में तत्त्वज्ञानी और वादलब्धि-सम्पन्न संत कौन-कौन थे?

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) श्री महाप्रज्ञ संघर्ष के समय गुरुदेव तुलसी के साथ विशिष्ट सहयोगी रूप में रहे। इस संघर्ष के मुद्दे क्या थे?

(ख) नवमनोनीत युवाचार्य महाप्रज्ञ के उद्‌गार लिखें।

(ग) 'योगक्षेम वर्ष' पर टिप्पणी लिखें।

(घ) आचार्य महाप्रज्ञ को 'युगप्रधान पद' दिया गया उसका संक्षेप में वर्णन करें।

प्र. 4 संस्कृत के विकास पर प्रकाश डालें। 15

अथवा

आचार्य महाप्रज्ञ का महत्त्वपूर्ण आयाम प्रेक्षाध्यान पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालें।

आचार्य महाश्रमण–30

प्र. 5 किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 7

(क) मोहन ने राजेन्द्र विद्यालय में कब तक अध्ययन किया?

(ख) मोहन बचपन में कौन से मुनि श्री जी से कहानियां सुनते थे?

(ग) मोहन सुबह कब उठते थे?

(घ) मोहन गोचरी के समय कौन से सन्त की रास्ते की सेवा करते थे?

(ङ) मुनि मुदित कुमार जी का प्रथम चातुर्मास कहां हुआ और वहां उन्होंने प्रथम उपदेश किस ग्रन्थ पर दिया?

(च) मुनि मुदित कुमार जी का चौथा एवं पांचवां चातुर्मास किसके साथ तथा कहां हुआ?

(छ) मुनि मुदित कुमार जी ने संस्कृत भाषा में जो कहानियां लिखी वह किस पुस्तक के नाम से प्रकाशित हुई?

(ज) आचार्य महाप्रज्ञ जी ने अपने उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा के लिए कौन सी तिथि व वार को चुना?

(झ) युवाचार्य महाश्रमण जी ने प्रथम बार गत्ते का उपयोग कब और कहां किया?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) तेरापंथ दर्शन मनीषी मंत्री मुनि श्री सुमेरमल जी की क्या-क्या विशेषतायें थी?

(ख) रेखाशास्त्री अध्यापक छगन जी मिश्रा ने मुनि श्री सुमेरमल जी तथा मोहन के हाथ व पैर की रेखाएं देखकर क्या भविष्यवाणी की?

(ग) युवाचार्य महाश्रमण की अणुव्रत प्रेक्षायात्रा का मुख्य उद्देश्य क्या था?

(घ) पदाभिषेक के अवसर पर आचार्य प्रवर द्वारा व्यक्त संकल्पों को लिखें।

प्र. 7 कोई तीन प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 18

(क) 'सौभाग्य की सौगात' मोहन के सौभाग्य दिवस (दीक्षा) का वर्णन करें।

(ख) सेवाभावी शिष्य के रूप में महाश्रमण मुदित कुमार जी ने गुरुदेव तुलसी की सेवा किस प्रकार की?

(ग) युवाचार्य महाश्रमण की गंगानगर अंचल की यात्रा पर प्रकाश डालें।

(घ) पदाभिषेक समारोह के दिन महाश्रमणी साध्वी प्रमुखा जी ने अपने अभिभाषण में क्या कहा?

तेरापंथ प्रबोध–10

प्र. 8 कोई तीन पद्य लिखें– 10

(क) सोच्यो सही.....आखिरकार हो।।

(ख) मरुधर स्यूं.....निस्तार हो।।

(ग) पुण्य-बंध.....प्रकार हो।।

(घ) पोढायां नै.....त्यार हो।।

(ङ) 'निशदिन ध्याऊं मोद मनाऊं' गीत वाला पद्य।

तुलसी प्रबोध–10

प्र. 9 कोई तीन पद्य लिखें– 10

(क) पा दीक्षा.....दोकार हो।।

(ख) जय प्रकाश.....त्यार हो।।

(ग) 'साहित्य-सृजन' वाला पद्य।

(घ) 'युवाचार्य निर्वाचन' वाला पद्य।

(ङ) चक्री-सो.....नर-नार हो।।